शिवबाबा से बात

● अंजू, निलोखेड़ी (हरियाणा)

हम दिन में कई बार फोन लगाते हैं, कभी दोस्तों को, रिश्तेदारों को, कभी नौकरी-धंधे के साथियों को, कभी दुकानदारों या व्यापारियों को। कभी 'एंगेज' आता है, कभी 'कवरेज क्षेत्र से बाहर' आता है, कभी 'स्विच ऑफ' आता है, कभी 'कोई जवाब नहीं दे रहा है' आता है, फिर भी हम बार-बार कोशिश करके बात कर ही लेते हैं। कभी 'बैलेंस' खत्म हो जाता है तो तुरंत रिचार्ज करवाते हैं, कोई अच्छी स्कीम या कोई ऑफर ढूंढते हैं कि 'फुल टाकटाइम' मिल जाए। एस.एम.एस. पैक डलवाते हैं कि फ्री एस.एम.एस. हो जाए। फिर दिन में ढेर सारे एस.एम.एस. भेजते रहते हैं।

विपदा है भजन न होना

पर क्या कभी हमने परमपिता शिवबाबा को कॉल की है? क्या कभी मिस्ड कॉल ही सही, शिवबाबा को की है? हम गुडमॉर्निंग, गुडनाइट, हैप्पी बर्थडे जैसे ढेरों एस.एम.एस. सुबह से रात तक अपने साथियों को करते रहते हैं। कभी दिन में एकाध एस.एम.एस.शिवबाबा को भी करते हैं या नहीं? मानस में लिखा है,

कह हनुमंत विपद प्रभु सोई।
जब तक भजन सुमिरन नहीं होई।।

भावार्थ यह है कि हनुमान जी कहते हैं, विपदा वही है, जब भगवान का भजन सुमिरन नहीं होता। पालनहार शिवबाबा की याद नहीं आती। सब छूट जाएँ फिर भी जो साथ नहीं छोड़ता, जो परम हितैषी है, जो कभी धोखा नहीं देता, पग-पग पर संभालता है, संवारता है फिर भी अपने किए का श्रेय नहीं लेता, सदा पर्दे के पीछे रहता है, उस परम स्नेही की याद अगर नहीं आती, उसके लिए अगर समय नहीं है तो ऐसे उलझे हुए को शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक या आर्थिक कोई न कोई दुख देकर, शिवबाबा की ओर लगाने का प्रकृति का अकाट्य नियम है।

एक से दिल बांधने वाले निश्चिंत

दुख-मुसीबत पड़ने पर शिवबाबा की शरण में जाना अच्छा है पर उससे भी अच्छा है, क्यों न पहले से ही उनके प्रेमी बन जाएँ? कबीर जी कहते हैं,

कबीरा इह जग आए के
बहुत से किन्हें मीत।
जिन दिल बांधा एक से
वे सोयें निश्चिंत।।

तो चलिए, दृढ़ संकल्प करते हैं कि उस एक से ही दिल बांधेंगे। बहुतों से बात करते हैं, अब हर रोज़ समय निकालकर उनसे भी बातें करेंगे। पर क्या हमारे पास उनका पता या फोन नम्बर है? नहीं तो बातें करेंगे कैसे? शिवबाबा का पता और फोन नम्बर मिलेगा उनसे जो रोज़ बाबा से मिलते हैं, बात करते हैं और वे हैं ब्रह्माकुमारी बहनें तथा भाई। वे ही उनका मोबाइल नम्बर भी देंगे, बात करने का तरीका भी समझा देंगे और मिलने की युक्ति भी सिखा देंगे। वैसे तो शिवबाबा हैं अदृश्य पर वे उन्हें देखने का, यहां तक कि उन्हें बांधे रखने का उपाय भी बता देंगे। ज़रा श्रद्धा से उनके आश्रम में जाओ तो सही, ज़रा बैठो, समझो, शिवबाबा का नाम-धाम, स्वभाव, स्वरूप सब बता देंगे। पूर्व में कइयों को बताया है और उसके अनुसार वे शिवबाबा से मिले भी, बातें भी कर ली। हमें भी अवश्य बतायेंगे। तो फिर देर किस बात की? आइये चलें ब्रह्माकुमारी आश्रम में। याद रखें –

शिवबाबा का नम्बर किसी के साथ 'एंगेज' नहीं आता चाहे एक साथ लाखों लोग बातें करें। कभी 'स्विच ऑफ ' नहीं आता चाहे कभी भी बातें करें। कभी 'कवरेज क्षेत्र के बाहर' नहीं आता चाहे कहीं से भी बातें करें।

कभी भी बैटरी डिस्चार्ज नहीं होती बल्कि जितनी ज्यादा बातें करेंगे उतनी ही ज्यादा चार्ज होगी। शिवबाबा से बातें करने के लिए सब जगह 'रोमिंग' फ्री होता है। और हाँ उनसे बातें करने के लिए वर्तमान संगमयुग में 'स्पेशल ऑफर' है। कितनी ही बातें करो 'टॉकटाइम फुल'। ❖